



दैनिक

# सांध्यप्रकाश

संस्थापक- स्व. सुरेन्द्र पटेल

■ आरएनआई 22296/71 ■ डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

वर्ष 52/ अंक 208/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, शनिवार 11 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित

## सांध्यप्रकाश टिप्पणी

**भारतीय रेल को 26,338 करोड़ रुपए का घाटा, इतिहास में पहली बार हुआ इतना नुकसान**



नई दिल्ली। भारतीय रेल को पिछले एक साल में बहुत ज्यादा घाटा हुआ है और इस घाटे को इतिहास में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। महाराष्ट्रपरीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे को पिछले एक साल में 26,338 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि रेलवे को इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में घाटा हुआ है। रेलवे की माने तो मंत्रालय के अनुसार 1589 करोड़ रुपए का नेट संरक्षण दिखाया गया था लेकिन सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक ये गलत साबित हुआ है।

रिपोर्ट में हुआ खुलासा- रिपोर्ट के 3 अधियायों में इसे 26,326.39 करोड़ रुपए का घाटा बताया गया है। उदाहरण के तौर पर इसे समझा जा सकता है कि साल 2019-20 में 100 रुपए कमाने के लिए रेलवे ने 114 रुपए के आसापास खर्च किया है।

रेलवे के कर्ज की बात करें तो पहली बार 2019-20 में 25,730.65 करोड़ रुपए के त्रण बढ़की हैं। ये वित्तीय वर्ष 2019-20 में 95,217 करोड़ रुपए पर अनुमति था। आईएएसस की रिपोर्ट में भारतीय रेल को हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी गई है।

कोयले के परिवहन में काफी निर्भरता- बता दें कि रेलवे की कोयले के परिवहन पर भारी निर्भरता थी जो 2019-20 के दौरान माल ढुलाइ आय का लगाग 49 प्रीसेटी थी। थोक वस्तुओं की परिवहन पद्धति में किए गए बदलाव ने माल ढुलाइ आय को काफी प्रभावित किया था। वित्तीय वर्ष 2018-19 में 3,773.86 करोड़ रुपए की तुलना में 2019-20 में 1589.62 करोड़ रुपए का कारोबार रहा।

## श्री जिनपिंग के वफादार ली कियांग बने चीन के प्रधानमंत्री



बीजिंग। चीन की बर्क रस्टैंप पार्लियमेंट ने शनिवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के वफादार ली कियांग के बाहं को ग्रीष्मियर यानी प्रधानमंत्री बनाया है। चीन के पालिटिकल सिस्टम में ये नबर दो की पोजिशन है। कियांग के समर्थन में नेशनल पीपल्स कांग्रेस के 2936 में बर्स ने बोट किया। जबकि 3 ने उके खिलाफ वोटिंग की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की जिस जीरो कोविड पॉलिसी की वजह से पूरी दुनिया में अलोचना ढुलाइ उसे तैयार और इंफालिमेंट करने वाले ली कियांग ही थे। खिलाफ स्कॉडिल के मुताबिक कोविड पॉलिसी बरी तरह फेल होने के बाद भी कियांग को जो प्रभावित की रिपोर्ट से उत्की वजह सिफे शी जिनपिंग से उनके करीबी संबंध हैं। कुछ समय पहले तक वो चीन के टॉप 7 नेताओं में भी नहीं थे।

## रूस का दावा- यूक्रेनी बायो-लैब को फंड दे रहा अमेरिका

मास्को। रूस का कहा है कि यूक्रेन में बने बायोकैमिकल लैब को अमेरिका फंडिंग दे रहा है। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से रूस दावा करता रहा है कि यूक्रेन में बायोकैमिकल हैथियार तैयार किए जा रहे हैं। इसके लिए वर्तमान अमेरिका कई लैब संचालित कर रहा है। अमेरिकी सरकार ने भी इस बात को माना लेकिन कई आधिकारिक बयानों में कहा गया कि इन लैब को डिएपिक्टेट कर दिया गया है। इस रिपोर्ट जारी करते हुए रूस की फिंस्ट्रिंग ने कहा- डिएपिक्टेशन की बात कहने के बावजूद कई अमेरिकी लैब अब यूक्रेन में संचालित हो रहे हैं।

## सतीश कौशिक मानले नें नया मोड़, फार्म हाऊस से निलीं गोलियां, व्यापारी की तलाश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को फिल्म अधिनेता व कॉमेडियन सतीश कौशिक के शब को शुरूआती पोस्टमार्टेंट रिपोर्ट को मिल गई है। पोस्टमार्टेंट से पता लगा है कि सतीश कौशिक की हाईटॉटैक से मौत हुई है। हालांकि फाइनल रिपोर्ट आने में अपी समय लगेगा। पुलिस ने सतीश कौशिक का विस्तार सुरक्षित रखवाया है। पुलिस ने खन के सैप्ल लिए हैं। उन्हें फारिंसिक जाँच के लिए भेजा जा रहा है। ब्लड सैप्ल से शराब आदि पीने का पता लगेगा। दीक्षिण पश्चिम जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अपी तक की जांच में कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई है। पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने पार्टी में शामिल सभी मेहमानों की लिस्ट तैयार कर ली है और उनके बुलाकर पूछताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताल की जाएगी।

पार्टी में 15 से 20 लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस न





सम्पादकीय

## बिखरते खाब, दरकते सपने

मध्यप्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में बोमासम तेज बारिश और ओलों ने तबाही मचाई थी। खड़ी फसलें बिछ गईं। मौसम विभाग कह रहा है कि 3 मार्च से एक्टिव बारिश, ओले और तेज अंधी का सिस्टम अब खत्म हो गया है।

इससे आगे तो दिन दिन तेज गर्मी वाले रहेंगे। कई शहरों में दिन का तापमान 35 डिग्री के पार पहुंचेगा, जबकि रात में तापमान 18 डिग्री को छू सकता है। परंतु कल यहाँ 12 मार्च से मध्यप्रदेश व कुछ और हिस्सों में नवा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो जाएगा, जिसका असर 14 मार्च से शुरू होगा। इससे 15 से 18 मार्च के बीच तेज बारिश, अंधी और ओले भी गिरेंगे।

समय और भौमासम का कोई भरोसा नहीं होता। समय भी अनिश्चितता से चिरा रहता है और भौमासम भी। हिंदुस्तान के हर कोने में भौमासम तेजी से बदल रहा है। पहले इसका समय तय होता था। इन्हें दिन उठने वाले गर्मी। लेकिन अब चूंकि मनुष्य ने अपनी नीतियाँ छोड़ दी हैं, इसलिए पृथ्वी, आकाश, जल और इनसे जुड़ा भौमासम भी अपना स्वभाव बदलने के विश्वास है। टाई जाने को है और ऐसे में कटने को तैयार खड़ी फसलों पर बारिश आ पड़ी। और भी गिर गए। किसान तड़पी रहे। फसलें खेंगी में अधीन होकर किसानों का मुँह तकरी ही हैं।

खैर, ऐसा तो होता है। पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का दौर चल रहा है। लेकिन केरल के हाल देशभर से अलग हैं। और बुरे भी। वहाँ अभी तक बारिश से लोग परेशन थे। बारिश खड़ी हुए ज्यादा दिन हुए नहीं थे कि गृजब की गर्मी आ गई। गर्मी भी ऐसी कि तूक के थपेंडे पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा हाईट स्ट्रोक्स के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। दरअसल अब हाईट इंडेक्स जैसी एक नई तकनीक आई है। इसके जरिए भौमासम विभाग यह पता लगा लेता है कि गर्मी जितनी डिग्री तार्तीज जा रही है, वास्तव में वह एहसास कितनी डिग्री का दे रही है। इसके अनुसार केरल में तापमान 10-32 डिग्री ही है लेकिन वो एहसास करवा रहा है 54 डिग्री का। मतलब भर गर्मी में जैसे जैसलमेर तपता है, उन्हाँना अभी से केरल तप रहा है।

और काटो पेड़, नदी-नालों को पूरे दो, मिट्टी और सीमेंट से। हरे-भरे जंगल काट कर कांकींटे के जंगल तान दो। हारियाली मिटाओ, कालोनिनीं काट दो और करोड़-अब्दों कमाओ। कौन रोक रहा है? लेकिन अनेक वाली पीढ़ी जब कोई सबाल करे तो अपने हाँस लेना। क्योंकि हमारे पास कोई जवाब तो होगा है। हम बताएंगे कि अपने लालच में विकास के नाम पर हमें प्रदूषण के पहाड़ नान दिए?

एक जमाना था जब हमें ज्यादा लालच नहीं थी। चाँद सर उठाता था तो हल्की सुन्दर-सी हवा, शाख-शाख जाकर नहें पौधों को जगाती थी। फसलों के दाने-दाने में धूध भग्ने लगता था। नीले-काले आसमान पर सिरारे जब चमकते थे, दौड़ने लाते थे सारे दरिया समन्दरों की रफ़। अधेर आँखों में भी रोशनी लौट आती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब तो हवाएँ भी गरम तलवारों के झोंके लेकर आती हैं। अब इन हवाओं के हाथ भी गुप्ताया हो चले हैं। काट डालते हैं नन्हे-नन्हे सपनों को। नौंच लेते हैं अँचल। सपने बिखरने से डरते रहते हैं।

तो अब हम अपने सपनों को बदल लें, हार फिल्मों की तरह कर लें, अपने सपनों और खालों को? जिसमें भी चीज डरावनी ही हो। उन पंक्तियों को पुस्तकों का हिस्सा ही बनाकर छोड़ दें, जिसमें लिखा हो - किसान अपनी फसलों को देखकर ऐसे प्रसरण होता है, जैसे अपने बच्चे को किलकारी मारते हुए देखते हैं। फसल को किसान बच्चों की तरह ही तो पालता है। लेकिन अज उसके नाम हरे भी रहती है, लेकिन उसका कक्ष को इनकारण की अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। दरअसल अब हाईट इंडेक्स जैसी एक नई तकनीक आई है। इसके जरिए भौमासम विभाग यह पता लगा लेता है कि गर्मी जितनी डिग्री तार्तीज जा रही है, वास्तव में वह एहसास कितनी डिग्री का दे रही है। इसके अनुसार केरल में तापमान 10-32 डिग्री ही है लेकिन वो एहसास करवा रहा है 54 डिग्री का। मतलब भर गर्मी में जैसे जैसलमेर तपता है, उन्हाँना अभी से केरल तप रहा है।

हिमालय की तारई में लेशियर पिछलने की गति बढ़ रही है...। उत्तराखण्ड में मकान दरकर होते हैं। जमीनें खिसक ही हैं। खबरें आती हैं। कुछ दिन में मामला ठंडा हो जाता है। या कर दिया जाता है। लेकिन जिन कारणों से यह सब हो रहा है, उस पर ध्यान नहीं दिया जाता है। पहाड़ केवल हिमालय क्षेत्र में नहीं बरपा रहता कि एक जारी करता है। सीनी केवल गंगा दैवी का नहीं, मोरा का भी छलनी ही रहा है। नदियों की हम मानते होते हैं, लेकिन उनकी दुर्दशा पर आज हंस रहे हैं। वो हमें बैजन लगती हैं। परन्तु नहीं। हम प्रकृति को बैजन मानकर अपना गुलाम समझने लगे हैं, यही हमारी सबसे बड़ी भूल है। आज भी समय है, विकास और लालच कम कर दें। भुगतानों तो हम सबको ही पड़ रहा है और पेढ़गा, आज नहीं कल।

## मौसम और बयाब में फैला भ्रष्टाचार, किधर खोजे भ्रष्ट और किधर इमानदार?

## सरयूसुत मिश्रा

आजकल तो भ्रष्टाचार के इन्हें मामले सामने आ रहे हैं कि लग रहा है कि भ्रष्टाचार ही पहला प्यार बन गया है, अगर एक दिन की खबरों पर ही नजर डाली जाए तो भ्रष्टाचार की खबरों से दिन का तापमान 35 डिग्री के पार पहुंचेगा, जबकि रात में तापमान 18 डिग्री को छू सकता है। परंतु कल यहाँ 12 मार्च से मध्यप्रदेश व कुछ और हिस्सों में नवा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो जाएगा, जिसका असर 14 मार्च से शुरू होगा। इससे 15 से 18 मार्च के बीच तेज बारिश, अंधी और ओलों भी गिरेंगे।

समय और भौमासम का कोई भरोसा नहीं होता। समय भी अनिश्चितता से चिरा रहता है और भौमासम भी। हिंदुस्तान के हर कोने में भौमासम तेजी से बदल रहा है। पहले इसका समय तय होता था। इन्हें दिन उठने वाले गर्मी। लेकिन अब चूंकि मनुष्य ने अपनी नीतियाँ छोड़ दी हैं, इसलिए पृथ्वी, आकाश, जल और इनसे जुड़ा भौमासम भी अपना स्वभाव बदलने के विश्वास है। टाई जाने को है और ऐसे में कटने को तैयार खड़ी फसलों पर बारिश आ पड़ी। और भी गिर गए। किसान तड़पी रहे। फसलें खेंगी में अधीन होकर किसानों का मुँह तकरी ही हैं।

खैर, ऐसा तो होता है। पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का दौर चल रहा है। लेकिन केरल के हाल देशभर से अलग हैं। और बुरे भी। वहाँ अभी तक बारिश से लोग परेशन थे। बारिश खड़ी हुए ज्यादा दिन हुए नहीं थे कि गृजब की गर्मी आ गई। गर्मी भी ऐसी कि तूक के थपेंडे पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा हाईट स्ट्रोक्स के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। दरअसल अब हाईट इंडेक्स जैसी एक नई तकनीक आई है। इसके जरिए भौमासम विभाग यह पता लगा लेता है कि गर्मी जितनी डिग्री तार्तीज जा रही है, वास्तव में वह एहसास कितनी डिग्री का दे रही है। इसके अनुसार केरल में तापमान 10-32 डिग्री ही है लेकिन वो एहसास करवा रहा है 54 डिग्री का। मतलब भर गर्मी में जैसे जैसलमेर तपता है, उन्हाँना अभी से केरल तप रहा है।

और काटो पेड़, नदी-नालों को पूरे दो, मिट्टी और सीमेंट से। हरे-भरे जंगल काट कर कांकींटे के जंगल तान दो। हारियाली मिटाओ, कालोनिनीं काट दो और करोड़-अब्दों कमाओ। कौन रोक रहा है? लेकिन अनेक वाली पीढ़ी जब कोई सबाल करे तो अपने हाँस लेना। क्योंकि हमारे पास कोई जवाब तो होगा है। हम बताएंगे कि अपने लालच में विकास के नाम पर हमें प्रदूषण के पहाड़ नान दिए?

एक जमाना था जब हमें ज्यादा लालच नहीं थी। चाँद सर उठाता था तो हल्की सुन्दर-सी हवा, शाख-शाख जाकर नहें पौधों को जगाती थी। फसलों के दाने-दाने में धूध भग्ने लगता था। नीले-काले आसमान पर सिरारे जब चमकते थे, दौड़ने लाते थे सारे दरिया समन्दरों की रफ़। अधेर आँखों में भी रोशनी लौट आती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब तो हवाएँ भी गरम तलवारों के झोंके लेकर आती हैं। अब इन हवाओं के हाथ भी गुप्ताया हो चले हैं। काट डालते हैं नन्हे-नन्हे सपनों को। नौंच लेते हैं अँचल। सपने बिखरने से डरते रहते हैं।

तो अब हम अपने सपनों को बदल लें, हार फिल्मों की गति बढ़ रही है...। उत्तराखण्ड में मकान दरकर होते हैं। जमीनें खिसक ही हैं। खबरें आती हैं। कुछ दिन में मामला ठंडा हो जाता है। या कर दिया जाता है। लेकिन जिन कारणों से यह सब हो रहा है, उस पर ध्यान नहीं दिया जाता है। रोजगार के आँकड़ों के आईने में देखने पर जहाँ देश में फरवरी 2023 में बेरोजगारी दर बढ़कर 7.45 प्रतिशत आंकी गई, जनवरी में यह दर 7.14 प्रतिशत रही थी। श्रम बल में बेरोजगार लोगों का भरपूर एक बड़ा संख्यातान्त्रिक विपरीत है। इसके साथ रोजगार लोगों में करनवरी 2023 में कमाल दरकर होता है। बेरोजगारी के लिए जनवरी के बड़े अंतर हैं। फरवरी के लिए जनवरी के बड़े अंतर हैं।

देश में फरवरी के दौरान श्रम भागीदारी दर मामूली बढ़कर 39.92 प्रतिशत हो गई। जनवरी में यह दर 39.8 प्रतिशत थी। श्रम बल का आकार 44.08 करोड़ से बढ़कर 44.29 करोड़ हो गया। इसका कारण इसका की तुलना में अधिक रही है। अब तो हवाएँ भी गरम होती हैं। इसका कारण इसका की तुलना में अधिक रही है। अब तो हवाएँ भी गरम होती हैं। इसका कारण इसका की तुलना में अधिक रही है। अब तो हवाएँ भी गरम होती हैं। इसका कारण इसका की तुलना में अधिक रही है। अब तो हवाएँ भी गरम होती हैं। इसका कारण इसका की तुलना में अधिक रही है। अब त







